चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत संचालित

कृषि ज्ञान वाहन

कृषि विभाग, बिहार सरकार

कृषि ज्ञान वाहन–कृषि सूचना एवं समाधान किसानों के द्वार तक

बिहार सरकार कृषि विभाग के द्वारा चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत प्रथम चरण में 1 कृषि ज्ञान वाहन (1. बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर 2. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा 3. बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना 4. बिहार कृषि प्रबंधन और प्रसार प्रशिक्षण संस्थान (बामेती), पटना) के तहत कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों की नवीनतम जानकारी के साथ आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के विशेष प्रयोजन हेतु कृषि ज्ञान वाहन विकसित कराया गया है। इस ज्ञान वाहन से मिट्टी जाँच की सुविधा, किसानों को फसल विशेष के लिए उर्वरक व्यवहार की मात्रा, पशुओं की समस्याओं का त्वरित निदान, कीट-व्याधि सहित खरपतवार की पहचान एवं उसके प्रबंधन की जानकारी प्राप्त होगी। यह ज्ञान वाहन राज्य के विभिन्न जिलों के किसानों को कृषि की नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराने के साथ उन्हें जागरूक करेगा।

कृषि ज्ञान वाहन की विशेषताएँ

- लोक हितकारी सरकारी योजनाओं के प्रति किसानों को जागरूक करना।
- किसानों के ज्ञान संवर्द्धन के लिए तकनीकी फिल्मों का प्रदर्शन ।
- कृषि प्रसार साहित्य के माध्यम से किसानों का लोक शिक्षण।
- मिट्टी जाँच नमूनों का संग्रहण।
- कृषि से जुड़े समस्याओं का किसानों के द्वार पर निराकरण।
- कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़ी व्यवहारिक समस्याओं का निदान।
- खाद्यान्न/ बागवानी/ अन्य फसलों के कीट-व्याधि के साथ-साथ पशु एवं पक्षी के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान।
- कृषि उपादानों यथा बीज, जैविक खाद, तरल बायो फर्टिलाईजर सहित मशरूम स्पॉन आदि उपलब्ध कराना।

विशेष प्रयोजन कृषि ज्ञान वाहन में उपलब्ध उपकरणों की उपयोगिता

सामग्री/उपकरण का नाम	उपयोगिता
कीट/जानवर/पौधा नमूना संग्रह किट	◉ दिखाई देने वाले पोषक तत्वों की कमी के लक्षणों की पुष्टि करना। ◉ पौधों में Hidden Hunger (छिपी हुई भूख) का पता लगाना। ◉ उर्वरक योजनाओं की निगरानी/दुरूस्त करना। ◉ कीटों को पकड़ना व सटीक जानकारी लेना
डिजिटल स्टीरियो माइक्रोस्कोप	**कीट पहचान :** ◉ कीटों की सही पहचान करने, उनकी संरचना, व्यवहार एवं जीवन चक्र का अध्ययन करने की क्षमता प्रदान करना। ◉ प्रभावी कीट प्रबंधन रणनीतियों यथा कीटनाशकों, जैविक नियंत्रण एजेंट्स का पता लगाना। **पौधों की संरचना अध्ययन :** ◉ पौधों की मॉर्फ्रॉलॉजिकल विशेषताओं एवं विकास का अध्ययन। ◉ पौधों की प्रजातियों की पहचान एवं पौध प्रजनन कार्यक्रमों के लिये वांछनीय गुणों का चयन करने में मदद करना। **रोग निदान :** ◉ पौधों के रोग (जैसे कवकीय संक्रमण, बैक्टीरियल ब्लाइट्स, वायरल रोग इत्यादि) के निदान हेतु पौध ऊतकों का बीमारी के लक्षण के लिये जांच करना।

	बीज गुणवत्ता मूल्यांकन : ⦿ किसान और बीज उत्पादक समूह को बीजों की बाहरी और आंतरिक विशेषताओं यथा आकार रंग और अंकुरण क्षमता की जानकारी प्रदान करना। ⦿ उच्च गुणवत्ता के बीजों का चयन, बीज उपचार को अनुकूलित करना एवं समान फसल स्थापना की आवश्यकता सुनिश्चित करने में मदद करना। **मृदा विश्लेषण :** ⦿ मृदा सम्बंधित घटकों का विस्तृत दृष्य निरीक्षण, विश्लेषण, मृदा संरचना, जड़ की संरचना के अध्ययन में मदद करना। ⦿ शिक्षा, शोध प्रयासों, कृषि प्रक्रियाओं और प्राकृतिक घटनाओं की समझ को बढ़ाने में मदद करना।
डिजिटल कंपाउंड माइक्रोस्कोप	**वैज्ञानिक अध्ययन :** ⦿ पौधों की संरचना, जीवन प्रक्रियाओं, ऊतकों का अध्ययन के लिये उपयोगी। ⦿ उपयोगी जीवों के अंगों और कोशिकाओं की संरचना का अध्ययन कर जीवों के संरक्षण और उनकी अधिकारिता के लिये उपयोगी। **रोग निदान :** ⦿ बाहरी संरचना और अंदरूनी तकनीक द्वारा रोग के लक्षण का अध्ययन करने में मदद करना। ⦿ रोग के उपयुक्त उपाय और उपचार का चयन करने में किसानों और वैज्ञानिकों को मदद करना। **प्रजनन एवं बीजों की गुणवत्ता :** ⦿ उपयोगी जीवों के प्रजनन प्रक्रियाओं के सूक्ष्म अध्ययन के लिये उपयोगी।

	◉ बीजों की गुणवत्ता की जाँच, बाहरी संरचना के अध्ययन में मदद करना। **जैव और रासायनिक उत्पादों का अध्ययन :** ◉ उपयोगी जैव संरचना की सूचना द्वारा जैव और रासायनिक उत्पादों का अध्ययन में मदद करना। **कृषि नियंत्रण के लिये उपयोगी प्रजातियों की पहचान** ◉ अनुप्रयोगिक प्रजातियों की जीवन प्रक्रियाओं की जांच हेतु उपयोगी।
रेफ्रिजरेटर	◉ रसायनों, अभिक्रमकों, जैविक नमूनों इत्यादि को संग्रहित एवं संरक्षित करने में मदद करना।
बीओडी इंक्युबेटर	**माइक्रोबायोलॉजी अध्ययनः** ◉ वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला में बैक्टीरिया, वायरस एवं कवक को पालने एवं अध्ययन करने में मदद करना। ◉ जानवरों में संक्रामक बीमारियों का निदान करने एवं विभिन्न वेटरनरी स्थितियों से सम्बन्धित माइक्रोबायोलॉजिकल पारिस्थितिकी को समझने में मदद करना। **कोशिका संवहन अध्ययनः** ◉ कोशिका के शारीरिक, संकेत मार्ग, कोशिका प्रतिक्रियाओं द्वारा कोशिका स्तर पर रोगों को समझने और नए चिकित्सा हस्तक्षेपों का विकास करने में मदद करना। **पर्यावरणीय विषाणुजन्यता :** ◉ जलीय जीव यथा मछलियां इत्यादि पर पर्यावरणीय प्रदूषकों और जहरों के प्रभाव का मूल्यांकन करने में मदद करना।

	◉ नियंत्रित शर्तो के अन्तर्गत इन जीवों की ऑक्सीजन उपभोग की मॉनिटरिंग कर विषाणुजन्य प्रदूषकों की पशु स्वास्थ्य पर प्रभाव का मूल्यांकन में मदद करना। **परजीवियों का अध्ययन :** ◉ परजीवियों का अध्ययन कर उनके जीवनचक्र, जीव विज्ञान एवं व्यवहार का अध्ययन करना। ◉ प्रभावी नियंत्रण और उपचार की रणनीतियों का विकास करने में सहयोग प्रदान करना।
इलेक्ट्रॉनिक तराजू	◉ पौधे/कीट आदि के नमूनों का सटीक माप लेना।
अन्य सामग्रियाँ (Gloves, Slides, Cover Slips)	◉ माइक्रोस्कोप स्लाइड पर एक नमूने के ऊपर कवरस्लिप द्वारा उसे यथा स्थान पर रखते हुए पर्यावरण प्रदूषण से बचाव में मदद करना।
पोर्टेबल यूएसजी (Portable USG)	◉ पशु गर्भावस्था का पता लगाने में सक्षम। ◉ आंतरिक चोटों या स्थितियों का पता लगाने में सक्षम। । ◉ पशु अंग कार्य का आकलन करने में उपयोगी।
पोर्टेबल एक्स-रे (Portable X-Ray)	◉ निदानिका चित्रण- फ्रैक्चर, जॉइंट समस्याओं, दंत समस्याओं, हृदय और फेफड़े की स्थिति और पाचन तंत्र के अवरोधों का निदान। ◉ उपचार योजना में उपयोगी। ◉ प्रगति का मॉनिटरिंग। ◉ आर्थोपेडिक मूल्यांकन एवं स्वास्थ्य स्क्रीनिंग। ◉ आपातकालीन चिकित्सा करने में उपयोगी।

रक्त-विश्लेषक (Haemato-analyzer)	◉ पूर्ण रक्त गणना (सीबीसी)-जानवर के नमूने में मौजूद रक्त कोशिकाओं के विभिन्न प्रकारों और संख्या के बारे में जानकारी प्रदान करना। ◉ एनीमिया का निदान-हीमोग्लोबीन उत्पादकता, लाल कोशिका सूचकांक जैसे आरबीसी पैरामीटर, हीमैटोलॉजी विश्लेषण द्वारा एनीमिया निदान में मदद करना। ◉ डब्ल्यूबीसी विभाजन में परिवर्तन द्वारा संक्रमण और सूजनात्मक स्थितियों का पता लगाना। ◉ थेरेपी की मॉनिटरिंग-हीमैटोलॉजी विश्लेषक द्वारा पशु संक्रमण, एनीमिया, इम्यून विकारों की मॉनिटरिंग। ◉ नियमित स्वास्थ्य स्क्रीनिंग-जानवरों के आंतरिक स्वास्थ्य समस्याओं का पता लगाने एवं समय रहते निदान करने में प्रभावी।
मल्टी पैरामीटर मॉनिटर	◉ रियल-टाइम मॉनिटरिंग-जानवरों के हृदय दर, श्वसन दर, रक्तचाप, तापमान एवं ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर की नियमित मॉनिटरिंग द्वारा जानवरों की स्थिति में परिवर्तन की पहचान करने में मदद करना। ◉ एनेस्थेशिया प्रबंधन-जानवरों में सर्जिकल प्रक्रियाओं के दौरान जीवनीय चिन्हों को निकट से ध्यान में रखने एवं तकनीकी कठिनाईयों को रोकने में मदद करना। ◉ पोस्ट ऑपरेटिव केयर-जानवरों के जीवनीय चिन्हों की मॉनिटरिंग द्वारा पशुओं के विकार या संघर्ष संकेत पहचान कर ससमय उपयुक्त उपचार में सहायक। ◉ क्रिटिकल केयर मॉनिटरिंग में सहायक।

इन्टरनेट सेवा	◉ विडियो कांफ्रेंसिंग करना, ईमेल सन्देश का आदान प्रदान करना, सीधा प्रसारण दिखाना
कंप्यूटर	◉ किसानों को दूरस्थ शिक्षा प्रदान करना। ◉ कृषि और पशुपालन आधारित फिल्मों के प्रदर्शन में सहायक ।
पेट्रोल जेनरेटर	◉ विभिन्न स्थितियों में विद्युत शक्ति प्रदान करना ।
यूपीएस प्रणाली	◉ निर्बाध बिजली प्रदान करना
एलईडी वीडियो स्क्रीन	◉ उच्च प्रभाव वाली ऑडियो-विजुअल साझा करना।
एलईडी कैनोपी	◉ एलईडी वीडियो स्क्रीन को छाया प्रदान करना
उद्घोषणा यंत्र/ पीए सिस्टम	◉ सार्वजनिक स्थानों पर दूरस्थ या बड़े क्षेत्र में ध्वनि प्रसार में मदद करना।

आवंटित जिले

कृषि ज्ञान वाहन/ परिचालन से संबद्ध संस्था	संबंद्ध जिलों का नाम
BAMETI, पटना	पटना, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, नालन्दा, जहानाबाद, अरवल
Dr. RPCAU, समस्तीपुर	पूसा, समस्तीपुर, वैशाली, सारण, सिवान, गोपालगंज, पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, मधुबनी, दरभंगा
BAU, सबौर, भागलपुर	खगड़िया, मुंगेर, बांका, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, जमुई, लखीसराय, शेखपुरा
BASU, पटना	बिहार के सभी जिलों में

कृषि ज्ञान वाहन हेतु विभिन्न संस्थानों/विश्वविद्यालयों से प्राप्त वृतचित्र (Film) की सूची :-

क्र० सं०	कोड	फिल्म का टाइटल
		Agronomy
		(A). Cereals
1.	D 38-	ऊपरी, मध्यम एवं निचली भूमि के लिए धान के उन्नतशील प्रभेद
2.	F 53-	धान की उन्नत खेती
3.	F 59-	धान की प्रमुख कीट एवं रोग
4.	G 69-	मक्का की खेती
5.	H 75-	धान की वैज्ञानिक खेती
6.	I 85-	शून्य जुताई विधि से धान की बुआई
7.	J 95-	धान रोपाई यंत्र के बारे में पूरी जानकारी
8.	D 37-	धान की प्रमुख कीट पुष्पन से बाली बनने तक की अवस्था में
9.	A 2-	जीरो टिलेज
10.	A 4-	आलू की खेती (आलू रोपाई यंत्र द्वारा)
		Rabi Crops
		(A). Oil Seed
11.	F 56-	सरसों की उन्नत खेती
12.	H 72-	सूरजमुखी की खेती
		(B). Pulses
13.	B 17-	चना की उन्नत खेती
14.	H 79-	चने की फसल में रोग प्रबंधन
15.	A 6 -	अरहर के उकठा रोग लक्षण एवं उपचार
16.	J 100-	खेसारी पर अब नहीं है रोक लेकिन सिर्फ इन्ही किस्मों को लगायें

Horticulture		
(A). Vegetable		
17.	G 68-	परवल की उन्नत खेती
18.	H 78-	मिर्च के रोग एवं प्रबंधन
19.	I 82-	फूलगोभी के प्रमुख रोग
20.	G 70-	आलू की वैज्ञानिक खेती
21.	A 6-	ओल की वैज्ञानिक खेती (समस्तीपुर)
22.	C 21-	जैविक सब्जी की खेती
23.	C 22-	जैविक सब्जी का उत्पादन
24.	D 34-	सब्जी की खेती (मधुबनी)
25.	D 35-	सब्जी की खेती (मधेपुरा)
26.	E 44-	टमाटर की खेती (लखीसराय)
(B). Fruits		
27.	C 30-	आम के लाल छेदक कीट का नियंत्रण
28.	D 33-	मौसंबी की खेती
29.	C 27-	लीची की सफल बगवानी
30.	B 16-	अमरूद में अधिक फलन के लिए छत्रक प्रबंधन
31.	C 29-	मखाना उत्पादन एवं प्रसंस्करण
32.	F 60-	बिहार में ड्रैगन फ्रूट की खेती
33.	H 71-	बिहार में स्ट्रॉबेरी की खेती
34.	H 76-	बिहार में अनानास की खेती
35.	K 109	अमरूद की वेज ग्राफ्टिंग
36.	F 54-	नए बागों की स्थापना
37.	C 28-	लीची-अच्छे फल के लिए बागों का कैसे करें प्रबंधन ?

(C). Floriculture		
38.	C 22-	फूलो की संरक्षित खेती जरबेरा और आर्किड
39.	C 23-	फूलो की संरक्षित खेती गुलाब और एन्थुरियम
Food Processing		
40.	H 73-	टोमेटो कैचप बनाने की विधि
41.	J 94-	कच्चे आम से घर पर बनाएं मैंगों स्कवेस
42.	J 96-	घर पर बनाएं लीची का स्कैवेश
Medicinal Plants		
43.	J 99-	कैसे करें एलोवेरा की खेती
44.	K 103	तुलसी की खेती
45.	K 104	पान की खेती कैसे करें
Animal Husbandary		
46.	A 8-	बकरी पालन
47.	B 18-	लू/अधिक गर्मी से पशुओ को कैसे बचायें
48.	F 55-	गाय में गर्भधारण की समस्याएं
49.	G 62-	जाड़े में पशुओं की देखभाल
50.	I 90-	बरसात में पशुओं में होने वाली बीमारीयों से बचाव
51.	A 8-	बकरी पालन तकनीक, खगड़िया
52.	F 01-	बकरी पालन
53.	F 04-	कृत्रिम गर्भाधान
Poultry		
54.	D 35-	मुर्गी पालन
55.	A 9-	बटेर पालन
56.	F 03-	घरेलु मुर्गी पालन
57.	F 02-	बटेर पालन

Fishery		
58.	A 5-	मछली पालन (आत्मा सुपौल)
59.	C 21-	जीरा उत्पादन सह मत्स्य पालन
Enterpreneurship		
60.	A 10-	मधुमक्खी पलन उपकरण एवं उपयोगिता
61.	B 11-	मधुमक्खी पालन प्रजातियाँ और पारिवारिक संगठन
62.	D 36-	बटन मशरूम उत्पादन पाइप विधि से कम्पोस्ट तैयार करें
63.	B 15-	बटन मशरूम कि वैज्ञानिक खेती
64.	D 31-	गरमी में उगाएं मिल्की मशरूम
65.	G 67-	ओएस्टर मशरूम उत्पादन तकनीक
66.	K 101	बिहार का सतू कैसे बना ब्रांड
67.	K 105	नारियल बनाएं डिजाइनर पेन स्टैंड और साबुनदानी
68.	K 106	बेकार नारियल खोल फेंके नहीं इससे बनाएं डिजाइनर कप
69.	L 112	सूखे फूल से ग्रीटिंग कार्ड और बुकमार्क कैसे बनाएं
70.	F 57-	बिहार में ताड़ आधारित उत्पाद
71.	I 02-	मधुमक्खी पालन
72.	I 03-	मशरूम उत्पादन
73.	L113	ताड़ एक कल्प वृक्ष
74.	B 12-	पुआल से नवाचार वायोचार
75.	B 20-	पशु आहार का वेहतर विकल्प सम्पूर्ण चारा ईट उपयोग और बनाने कि विधी
76.	A 7-	आत्मा किशनगंज के बढ़ते कदम
77.	A 9 -	बिहार कृषक उत्पादक संगठन
Agricultural Engineering		
78.	H 74-	जीरो टिलेज

79.	I 81-	हैप्पी सीडर का उपयोग एवं रखरखाव
80.	I 83-	कृषि यंत्रो का रखरखाव (पम्पिंग सेट)
81.	I 84-	जीरो टिलेज किसानों के लिए वरदान
82.	A 1-	बहुफसली बुआई यंत्र
		Modern Agricultural Techniques
83.	F 52-	समृद्ध वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन तकनीक
84.	D 32-	मिट्टी जाँच क्यों, कब और कैसे
85.	G 61-	समेकित कृषि प्रणाली
86.	G 63-	मिट्टी जांच के तरीके
87.	I 87-	बायोचार
88.	K 108	प्रो ट्रे में तैयार करें नर्सरी
89.	A 7-	अजोला की खेती
90.	I 86-	मेढ़ पर खेती
91.	K 107	पंचगव्य, खेती का पंचामृत
92.	B 13-	फसल अवशेष प्रबंधन (खगड़िया)
93.	D 32-	पेडी ट्रांस प्लाटर द्वारा धान रोपाई
94.	D 37-	प्याज कि वैज्ञानिक विधि से खेती (समस्तीपुर)
95.	E 41-	स्टैकिंग विधि से सब्जी की खेती (मुज्जफरपुर)
96.	C 23-	जैविक विधि से काले धान की खेती
97.	C 26-	बिहार की धरोहर कतरनी धान को मिली ज्योग्राफिकल इंडिकेशन
98.	F 58-	अजोला
99.	I 01-	धाब विकास क्षेत्र
100.	I 04-	सोलर नाव और पंप
101.	L 120	मडुआ की खेती

Success Stories		
102.	E 48-	मुर्गी और मछली पालन कर बदली किस्मत-प्रेम चंन्द्र, रोहतास
103.	E 49-	मशरूम की खेती ने दिलाई आर्थिक संकट से मुक्ति संगीता, सबौर
104.	E 50-	पॉल्ट्री फार्म से उमानंद की बदली तकदीर
105.	E 47-	सफलता की कहानी -सुबोध कुमार सिंह, पशुपालक, गया
106.	E 44-	सफल किसान रितेश पाण्डेय मछली पालक
107.	B 19-	सब्जी की खेती से करोड़पति बनने की ओर- दिलीप कुमार, रोहतास
108.	B 13-	स्ट्रॉबेरी से बदली तकदीर वृजकिशोर मेहता, औरंगाबाद
109.	E 42-	पॉली हॉउस में फूलों की खेती से जिन्दगी मे लौटी खुशहाली - रंजीत कुमार, नौवतपुर, पटना
110.	C 24-	मशरूम उत्पादन से बदली किस्मत - गौरव राज
111.	C 25-	महिला सशक्तिकरण की अदभुत मिसाल - इंदु कुमारी, जहानाबाद
112.	B 14-	पशुपालन से लाखपति बने-व्रजकिशोर शर्मा, जहानाबाद
113.	E 46-	मशरूम और मुल्यवर्धित उत्पादों से बदली किस्मत -श्रीमती संगीता गुप्ता, रोहतास
114.	D 34-	इंजिनियरिंग की नौकरी छोड़ बने पशुपालन- मृत्युंजय कुमार सिंह, बाढ़
115.	E 43-	संघर्ष से सफलता की ओर -रिंकु देवी, नालंदा
116.	A 4-	मशरूम लेडी की कहानी - श्रीमती अनीता कुमारी, नालंदा
117.	A 3-	कॉरपोरेट जगत की नौकरी त्याग बने सह किसान - अनिल कुमार
118.	F 51-	मछली पालन एवं सब्जी उत्पादन से मिली पहचान-मो तफज्जुल, अररिया
119.	D 39-	मधुमक्खी पालन से मिली पहचान-प्रदीप कुमार भारती, सुपौल

120.	D 40-	मशरूम की खेती से मिशाल बने- प्रीतम, भागलपुर
121.	A 5-	मशरूम उत्पादन से स्वावलंवी बनी - श्रीमती अंजू देवी, पूर्णिया
122.	C 26-	मछली पालन से जिन्दगी में आई तरक्की - ज्योति मंडल, मधेपुरा
123.	E 45-	अंडा उत्पादन और कुक्कुट पालन बना जीवन का आधार- सुमित कुमार, मधेपुरा
124.	I 89-	उड़ान (महिलाओं की सफलता की कहानी)
125.	J 97-	डेयरी स्टार्टअप A2Milk
126.	J 98-	सफल नर्सरी स्टार्टअपःअभिजीत नारायण
127.	K 102	जीरो बजट नर्सरी से मिली सफलता
128.	J 92-	मखाना स्टार्टअप - मनीष आनंद
129.	B 12-	DSR धान की खेती से सशक्त बने-संजीव कुमार
130.	D 36-	सफलता की कहानी रामलाल महतो सब्जी उत्पादक, किसान
131.	E 41-	बटेर पालन से लाखपति बने-रणधीर कुमार सिंह, नालंदा
132.	C 24-	बकरी पालन एक सफल व्यवासाय
133.	L 119	मक्का की खेती सफलता की कहानी
134.	A 16	हाइड्रोफोनिक खेती सफलता की कहानी
		Lok Geet
135.	I 88-	पराली प्रबंधन पर लोक गीत

कृषि ज्ञान वाहन

बिहार सरकार
बिहार सरकार
कृषि रोडमैप के तहत संचालित
कृषि ज्ञान वाहन
बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर, भागलपुर
1800 3456 455
7004528893
/bausabour

बिहार सरकार
कृषि रोडमैप के तहत संचालित
कृषि ज्ञान वाहन
बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर, भागलपुर
1800 3456 455
7004528893
/bausabour
@agribihar
@agri_dir
सामुदायिक रेडियो स्टेशन
90.8FM
Gleen
Google Play
पर उपलब्ध